RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
04
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत-घाना संबंध / India–Ghana relations

संदर्भ:

भारत के प्रधानमंत्री ऐतिहासिक दो दिवसीय राज्य यात्रा पर **घाना** पहुंचे हैं, जो पिछले **तीन दशकों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा** है। यह दौरा भारत और घाना के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नए आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत-घाना संबंध: प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक यात्रा के प्रमुख बिंदु

मुख्य झलकियां:

- **घाना का सर्वोच्च नागरिक सम्मान:** प्रधानमंत्री को 'द कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी विशिष्ट राजनयिक दृष्टि और प्रभावशाली वैश्विक नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया।
- **तीन दशकों में पहली भारत-घाना यात्रा:** यह यात्रा पिछले 30 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली आधिकारिक यात्रा रही।
- **चार महत्वपूर्ण समझौते (MoUs) पर हस्ताक्षर:**
  - सांस्कृतिक आदान-प्रदान
  - पारंपरिक संगीत सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग
    ये समझौते दोनों देशों के जन-संपर्क और सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करने की दिशा में अहम माने जा रहे हैं।

भारत–घाना संबंध:

1. ऐतिहासिक संबंध:

- भारत और घाना के बीच रिश्ते औपनिवेशिक विरोध और वैश्विक दक्षिण (Global South) की साझी सोच पर आधारित हैं।
- भारत ने 1953 में अक्रा में अपना प्रतिनिधि कार्यालय खोला, जो घाना की स्वतंत्रता (1957) से चार वर्ष पहले था।
- दोनों देश **गुटनिरपेक्ष आंदोलन** के संस्थापक सदस्य हैं।

2. कूटनीतिक और संस्थागत ढांचा:

- 1957 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए।
- **संयुक्त आयोग (1995)** स्थापित हुआ, 2016 में फिर से सक्रिय किया गया।
- **विदेश मंत्रालय स्तरीय परामर्श (2002)** से शुरू, तीसरा दौर 2022 में।
- **संयुक्त व्यापार समिति (1981)**; चौथी बैठक 2024 में हुई।

3. व्यापारिक संबंध:

- द्विपक्षीय व्यापार **2023–24 में लगभग 3 अरब डॉलर**।
- भारत, घाना के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार है – खासकर **सोना**, जो कुल निर्यात का 70% से अधिक है।
- भारत से **औषधियों (pharmaceuticals)** का निर्यात घाना की स्वास्थ्य प्रणाली के लिए अहम है।

4. निवेश:

- भारत ने **$1.2 अरब से अधिक** का निवेश किया – कृषि प्रसंस्करण, खनन, ICT, निर्माण जैसे क्षेत्रों में।
- 2024 में भारत **परियोजनाओं की संख्या में दूसरे और FDI मूल्य में आठवें स्थान** पर रहा।

5. विकास साझेदारी: भारत ने लगभग **$450 मिलियन** की रियायती ऋण और अनुदान सहायता दी है।

- प्रमुख परियोजनाएं:
  - कोफी अन्नान ICT सेंटर (2003)
  - कोमेंडा शुगर प्लांट व एलमिना फिश प्रोसेसिंग प्लांट (2016)
  - जुबिली हाउस पुनर्निर्माण (2017)
  - टेमा-मपाकादन रेलवे लाइन (2024)

घाना के बारे में:

स्थान: पश्चिमी अफ्रीका (West Africa) में गिनी की खाड़ी (Gulf of Guinea) के किनारे स्थित।

राजधानी: अक्रा (Accra)

सीमावर्ती देश:

- बुर्किना फासो (उत्तर)
- टोगो (पूर्व)
- कोट डी आइवोर/आइवरी कोस्ट (पश्चिम)
- अटलांटिक महासागर (दक्षिण)

भौगोलिक व भौतिक विशेषताएं:

1. पर्वत और पठार: क्षेत्र में प्राचीन प्रीकेम्ब्रियन चट्टानों से बनी पहाड़ियाँ हैं, जिनकी ऊँचाई सामान्यत: 900 मीटर से कम होती है।

2. प्रमुख पर्वतमालाएं:

- **अक्वापिम-टो गो रेंज**– पूर्व में स्थित।
  - इसमें स्थित **माउंट अफादजातो (Mount Afadjato)** घाना की सबसे ऊँची चोटी है (ऊँचाई: **885 मीटर**)।
- **क्वाहू पठार** और **गैम्बागा स्कार्प (Gambaga Scarp)** – प्रमुख ऊँचाई वाले क्षेत्र और खड़ी ढलान (escarpments) हैं।

अनुसंधान विकास और नवाचार योजना / Research Development and Innovation Scheme

संदर्भ:

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में **रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन (RDI) स्कीम** को मंजूरी दी है, जिसके तहत **₹1 लाख करोड़** का कोष स्थापित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य भारत को **वैज्ञानिक शोध, उन्नत तकनीक और नवाचार** के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाना है।

अनुसंधान विकास और नवाचार (RDI) योजना: प्रमुख तथ्य

मुख्य उद्देश्य:

- आर्थिक सुरक्षा और रणनीतिक महत्व वाले क्षेत्रों में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करना।
- उच्च Technology Readiness Levels वाले परिवर्तनकारी परियोजनाओं को समर्थन देना।
- रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तकनीकों के अधिग्रहण को समर्थन देना।
- डीप-टेक स्टार्टअप्स और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए Deep-Tech Fund of Funds (FoF) की स्थापना करना।

संस्थागत ढांचा:

- **गवर्निंग बोर्ड (ANRF):**
  - प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (Anusandhan National Research Foundation) के तहत।
  - योजना को रणनीतिक दिशा प्रदान करता है।
- **कार्यकारी परिषद (Executive Council - ANRF):** योजना के दिशा-निर्देशों की स्वीकृति, परियोजनाओं और फंड मैनेजर्स की पहचान करती है।
- **सशक्त सचिवों का समूह (Empowered Group of Secretaries - EGoS):**
  - कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में।
  - कार्यान्वयन निगरानी, प्रदर्शन की समीक्षा और आवश्यक बदलावों को मंजूरी देता है।
- **नोडल विभाग:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

अनुसंधान विकास और नवाचार (RDI) योजना: दो-स्तरीय वित्तपोषण तंत्र

मुख्य ढांचा: सरकार ₹1 लाख करोड़ की राशि 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त ऋण के रूप में Anusandhan National Research Foundation (ANRF) को प्रदान करेगी।

प्रथम स्तर: विशेष प्रयोजन कोष (Special Purpose Fund - SPF):

- ANRF के तहत स्थापित, यह कोष समस्त धनराशि का संरक्षक होता है।
- SPF से धन द्वितीय स्तर के फंड प्रबंधकों को आवंटित किया जाएगा।

द्वितीय स्तर: फंड प्रबंधक: इन्हें SPF से रियायती दीर्घकालिक ऋण या इक्विटी प्राप्त होती है ताकि R&D परियोजनाओं को वित्तपोषित किया जा सके।

- ये प्रबंधक परियोजनाओं का मूल्यांकन करते हैं और ऋण एवं इक्विटी दोनों माध्यमों से वित्त उपलब्ध कराते हैं।
- R&D परियोजनाओं को दी जाने वाली राशि सामान्यत: कम या शून्य ब्याज दर पर दीर्घकालिक ऋण के रूप में होती है।

वित्तपोषण के रूप:

- दीर्घकालिक रियायती ऋण (मुख्य माध्यम)।
- इक्विटी वित्तपोषण (विशेष रूप से स्टार्टअप्स हेतु)।
- डीप-टेक फंड ऑफ फंड्स में योगदान।

अनुसंधान विकास और नवाचार (RDI) योजना: महत्व

प्रमुख महत्व:

- **आत्मनिर्भरता को बढ़ावा:** रक्षा तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक।
- **R&D क्रेडिट गैप में कमी:** जहां निजी क्षेत्र जोखिम के कारण निवेश से हिचकता है, वहां यह योजना पूंजी प्रदान करती है, जिससे अनुसंधान और विकास में निरंतरता बनी रहती है।
- **डीप-टेक नवाचार को प्रोत्साहन:** राष्ट्र की दीर्घकालिक प्रगति के लिए आवश्यक क्षेत्रों में गहन तकनीकी नवाचारों और स्टार्टअप्स को समर्थन मिलता है।

अनुसंधान विकास और नवाचार (RDI) योजना: आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 की टिप्पणी

GERD में वृद्धि, फिर भी चिंता:

- भारत ने सकल अनुसंधान और विकास व्यय (GERD) को वर्ष **2011 में ₹60,196 करोड़** से बढ़ाकर **2021 में ₹1,27,381 करोड़** कर दिया है।
- हालांकि, यह कुल व्यय GDP का मात्र 0.64% है, जो बहुत कम माना गया है।
- **आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25** के अनुसार: यह "अपर्याप्त है और उन देशों की तुलना में बहुत कम है जिन्होंने अनुसंधान और नवाचार में वैश्विक बढ़त बनाई है।"

ICMR-AIIMS अध्ययन: कोविड टीके और अचानक मौतों में कोई संबंध नहीं / ICMR-AIIMS study: No link between Covid vaccine and sudden deaths

संदर्भ:

हाल के वर्षों में भारत में विशेषकर युवाओं में **अचानक अप्रत्याशित मृत्यु** की घटनाएं चर्चा का विषय बनीं। कोविड-19 महामारी और उसके बाद टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ऐसी कई घटनाएं सामने आईं, जिससे यह शंका उत्पन्न हुई कि क्या कोविड-19 टीकाकरण इन मौतों का कारण है।

इस संदर्भ में भारत सरकार ने **वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जांच** करने का निर्णय लिया। इसके तहत विभिन्न संस्थानों द्वारा गहन अनुसंधान किए गए ताकि मौतों के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

जांच में शामिल संस्थान और प्रमुख अवलोकन: इस विषय पर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) ने संयुक्त रूप से अध्ययन किया।

प्रमुख वैज्ञानिक अध्ययन:

- गहराई से पड़ताल के लिए दो पूरक अध्ययन (complementary studies) किए गए—एक पूर्व आंकड़ों (retrospective data) पर आधारित और दूसरा रियल-टाइम अनुसंधान (prospective study)।

1. केस–कंट्रोल अध्ययन (ICMR-NIE द्वारा)

- **शीर्षक:** “Factors associated with unexplained sudden deaths among adults aged 18-45 years in India – A multicentric matched case-control study”
- **संस्थान:** ICMR के अंतर्गत राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (NIE)
- **अवधि:** मई से अगस्त 2023
- **स्थान:** 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 47 तृतीयक अस्पतालों में
- **लक्ष्य समूह:** 18-45 वर्ष के वे युवा जो स्वस्थ प्रतीत होते थे लेकिन अचानक मृत्यु हो गई (अक्टूबर 2021 से मार्च 2023 के बीच)

मुख्य निष्कर्ष:

- **कोविड-19 टीकाकरण के बाद अचानक मृत्यु की आशंका नहीं बढ़ती।**
- यह अध्ययन स्पष्ट रूप से **टीकाकरण और मृत्यु के बीच कोई संबंध नहीं** दिखाता।

2. वास्तविक समय अध्ययन (AIIMS-ICMR द्वारा)

- **शीर्षक:** “Establishing the cause in sudden unexplained deaths in young”
- **संस्थान:** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली
- **सहयोग:** ICMR द्वारा वित्त पोषित
- **प्रकृति:** Prospective study – यानी रियल-टाइम में मृत्यु के कारणों की पड़ताल

प्रारंभिक निष्कर्ष:

- युवाओं में अचानक मृत्यु का प्रमुख कारण **मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (MI)** यानी **हार्ट अटैक** है।
- पिछले वर्षों की तुलना में मृत्यु के कारणों में **कोई विशेष बदलाव नहीं** पाया गया।
- कई मामलों में **आनुवंशिक उत्परिवर्तन (Genetic mutations)** को संभावित कारण के रूप में पहचाना गया है।
- अंतिम रिपोर्ट अध्ययन पूर्ण होने के बाद जारी की जाएगी।

दोनों अध्ययनों से प्राप्त समग्र समझ:

क्या स्पष्ट रूप से सिद्ध हुआ:

1. कोविड-19 टीकाकरण और अचानक मौतों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।
2. मृत्यु के कारणों में पिछले वर्षों जैसी ही प्रवृत्तियाँ पाई गईं।
3. हृदयाघात (Heart Attack) और आनुवंशिक कारण प्रमुख कारण बने।
4. अनुचित जीवनशैली और छिपी हुई बीमारियाँ मृत्यु के पीछे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

क्या खंडन हुआ:

1. यह धारणा कि कोविड-19 टीकाकरण के कारण युवाओं की मौतें हो रही हैं।
2. यह भ्रम कि टीका लगने के बाद अचानक हृदयगति रुकने की घटनाएं बढ़ गई हैं।

स्वास्थ्य नीति और जनजागरूकता के लिए महत्त्व:

- यह निष्कर्ष टीकाकरण पर भरोसा बढ़ाने में सहायक है।
- आनुवंशिक जांच, पूर्व जांच, और पोस्ट-कोविड मॉनिटरिंग पर ज़ोर देने की आवश्यकता है।
- युवाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की जागरूकता ज़रूरी है।
- इससे वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलेगा और झूठी अफवाहों पर रोक लगेगी।

वैश्विक विकास वित्त का पुनर्निर्धारण / Rephasing global development finance

संदर्भ:

भारत का **वैश्विक दक्षिण (Global South)** के साथ विकास सहयोग पिछले कुछ वर्षों में लगातार मजबूत होता गया है। यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं, बल्कि **क्षमता निर्माण, तकनीकी साझेदारी, अवसंरचना विकास और मानवीय सहायता** जैसे विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है। भारत की यह भूमिका उभरते हुए दक्षिण-दक्षिण सहयोग के एक विश्वसनीय और उत्तरदायी भागीदार के रूप में उसे स्थापित करती है।

वैश्विक दक्षिण के साथ भारत का विकास सहयोग:

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- **1955 बांडुंग सम्मेलन:** भारत ने औपनिवेशिक मुक्ति और समानता की वकालत करते हुए अग्रणी भूमिका निभाई।
- **1961 में गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की स्थापना:** भारत ने शीत युद्ध की ध्रुवीयता से अलग रहते हुए वैश्विक सहयोग का मार्ग चुना।
- **1964 में G-77 की स्थापना:** दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत ने विकासशील देशों के समूह के गठन में योगदान दिया।

आधुनिक भागीदारी और पहल:

- **G20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता का प्रस्ताव:** भारत ने अफ्रीकी संघ को G20 में शामिल करने का प्रस्ताव रखा, जिसे 2023 दिल्ली समिट में स्वीकृति मिली – यह वैश्विक दक्षिण की आवाज को वैश्विक मंच पर सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था।
- **विकास सहयोग में वित्तीय वृद्धि:**
  - 2010-11 में लगभग $3 अरब से बढ़कर
  - 2023-24 में $7 अरब तक भारत का सहयोग दोगुना हुआ।

वैश्विक दक्षिण के साथ भारत के सहयोग के प्रमुख माध्यम

1. क्षमता निर्माण (Capacity Building):

- भागीदार देशों में मानव संसाधनों के प्रशिक्षण, शिक्षा और कौशल विकास पर केंद्रित।
- ITEC (Indian Technical and Economic Cooperation) जैसी योजनाओं के माध्यम से हजारों छात्रों और पेशेवरों को प्रशिक्षण।

2. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (Technology Transfer): भारत अपनी नवाचार क्षमता, विशेषज्ञता, और कम लागत वाली तकनीकी समाधानों को वैश्विक दक्षिण के साथ साझा करता है। इसमें ई-गवर्नेंस, सौर ऊर्जा, टीकाकरण, अंतरिक्ष और कृषि तकनीक जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

3. बाजार तक पहुंच: विकासशील देशों को भारतीय बाजारों में ड्यूटी-फ्री और प्राथमिकता प्राप्त निर्यात पहुंच प्रदान की जाती है।

- LDCs (Least Developed Countries) के लिए विशेष व्यापार प्रोत्साहन।

4. अनुदान सहायता (Grants): बुनियादी ढांचे और सामाजिक क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए बिना चुकौती वाली वित्तीय सहायता। इसमें स्कूल, अस्पताल, संसद भवन, जल आपूर्ति परियोजनाएं आदि शामिल होती हैं।

5. रियायती वित्तपोषण: Indian Development and Economic Assistance Scheme के तहत कम ब्याज पर ऋण की पेशकश।

- इन ऋणों का उपयोग सड़क, ऊर्जा, कृषि, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं के लिए किया जाता है।

वैश्विक दक्षिण के साथ भारत के सहयोग: प्रमुख चुनौतियाँ

1. वैश्विक दक्षिण की प्रमुख समस्याएँ:

- खाद्य असुरक्षा, कमज़ोर स्वास्थ्य अवसंरचना, ऋण संकट, संघर्ष एवं अस्थिरता जैसी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं।
- वैश्विक नीतिनिर्धारण में निष्पक्ष प्रतिनिधित्व की कमी विकासशील देशों की आवाज़ को कमजोर करती है।

2. बढ़ता वैश्विक ऋण संकट और भारत की पुनर्समीक्षा:

- वैश्विक ऋण और तरलता संकट के चलते भारत अब Lines of Credit (LoCs) की भूमिका और प्रभावशीलता की पुनर्समीक्षा कर रहा है।
- LoCs में जोखिम और लागत दोनों बढ़े हैं, जिससे भारत को सतर्क और रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना पड़ रहा है।

3. पारंपरिक सहायता प्रदाताओं की चुनौतियाँ:

- औपचारिक विकास सहायता (ODA) देने वाले देशों को बजट कटौती और घटते संसाधनों का सामना करना पड़ रहा है।
- वैश्विक सहायता राशि में तेज गिरावट की आशंका – **2023 में $214 अरब से घटकर 2024 में केवल $97 अरब** तक।

4. सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर प्रभाव:

- SDGs को प्राप्त करने के लिए हर वर्ष $4 ट्रिलियन से अधिक की आवश्यकता है।
- महंगा और अनिश्चित ऋण विकासशील देशों के लिए वित्तीय संसाधनों तक पहुंच को कठिन बना रहा है।
- यह स्थिति 2030 तक SDGs को पूरा करने की दिशा में गंभीर बाधा बन सकती है।

वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक / Financial Fraud Risk Indicator

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने सभी बैंकों को Financial Fraud Risk Indicator Tool को अपनाने की सलाह दी है। इस टूल का उद्देश्य बैंकों को वित्तीय धोखाधड़ी के जोखिम की पहचान, मूल्यांकन और रोकथाम में सक्षम बनाना है। यह कदम बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और ग्राहकों के विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (Financial Fraud Risk Indicator - FRI): प्रमुख तथ्य

शुरुआत: मई 2025 में इसका शुभारंभ दूरसंचार विभाग (DoT) की इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा किया गया।

क्या है FRI? यह एक जोखिम-आधारित मीट्रिक है जो किसी मोबाइल नंबर को वित्तीय धोखाधड़ी के जोखिम स्तर के आधार पर Medium, High, या Very High Risk श्रेणी में वर्गीकृत करता है।

सूचना स्रोत: यह वर्गीकरण विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित होता है, जैसे:

- I4C का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP)
- DoT का चक्षु प्लेटफॉर्म
- बैंक और वित्तीय संस्थानों से साझा की गई खुफिया जानकारी

उद्देश्य और कार्यप्रणाली:

- बैंक, NBFC और UPI प्रदाताओं को संदिग्ध लेनदेन रोकने और अलर्ट जारी करने में मदद करता है।
- उच्च जोखिम वाले नंबरों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई को प्राथमिकता देता है।

प्रयोगकर्ता संस्थान: PhonePe, ICICI Bank जैसे प्रमुख संस्थान पहले ही FRI का उपयोग कर रहे हैं, जिससे भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र में धोखाधड़ी की रोकथाम को मजबूती मिली है।

महत्व: यह तकनीकी पहल Digital India अभियान को सशक्त बनाती है:

- डिजिटल विश्वास को मजबूती देती है।
- रीयल-टाइम में धोखाधड़ी का पता लगाने में सहायक है।
- दूरसंचार और वित्तीय क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है।

यह पहल API आधारित डेटा साझाकरण को बढ़ावा देती है, जिससे बैंकों और DoT के बीच रीयल-टाइम समन्वय संभव होता है और साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के विरुद्ध संयुक्त लड़ाई को नई दिशा मिलती है।

प्राचीन मिस्र के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण

संदर्भ:

शोधकर्ताओं ने हाल ही में **4,500 वर्ष पुराने एक प्राचीन मिस्री व्यक्ति का संपूर्ण जीनोम सफलतापूर्वक अनुक्रमित** किया है। यह उपलब्धि न केवल प्राचीन डीएनए अनुसंधान में एक बड़ी वैज्ञानिक प्रगति है, बल्कि इससे प्राचीन मिस्र की वंशावली, स्वास्थ्य, और जनसंख्या इतिहास को समझने में भी महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त होगी।

प्राचीन मिस्र का सबसे प्राचीन और संपूर्ण डीएनए अनुक्रमण:

अनुक्रमण का परिचय:

- यह डीएनए एक पुरुष का है जो मिस्र के ओल्ड किंगडम (तीसरे-चौथे राजवंश) से संबंधित था।
- यह अब तक का सबसे पुराना और पूर्ण जीनोम है जो प्राचीन मिस्र से प्राप्त हुआ है।

शव की स्थिति:

- यह शरीर काहिरा (मिस्र) के नुवैरात में मिट्टी के पात्र में दफन किया गया था।
- चट्टानों में कटे मकबरे में स्थिर दफन स्थिति के कारण शरीर अच्छी तरह संरक्षित रहा।
- दांत की जड़ों से डीएनए निकाला गया, जो गर्म जलवायु में भी इसके संरक्षण में सहायक रहा।

वैज्ञानिक महत्व:

- **अभूतपूर्व डीएनए पुनर्प्राप्ति:** यह पहला पूर्ण प्राचीन मिस्री जीनोम है, पहले उपलब्ध आंकड़े केवल आंशिक और अपेक्षाकृत नए काल (787 ई.पू.–23 ई.) से थे।
- **संरक्षण की उपलब्धि:** गर्म जलवायु में पूर्ण जीनोम अनुक्रमण दुर्लभ है। अधिकांश प्राचीन डीएनए अध्ययन ठंडी जलवायु वाले क्षेत्रों जैसे यूरोप और साइबेरिया तक सीमित रहे हैं।

सांस्कृतिक महत्व:

- **वंशीय संबंध:** इस व्यक्ति का लगभग 78% वंश नॉर्थ अफ्रीकी नवपाषाण युग की जनसंख्या से जुड़ा है, जबकि 22% वंश प्राचीन मेसोपोटामिया के किसानों से संबंधित है।
- **अंतर-क्षेत्रीय संपर्क:** यह खोज दर्शाती है कि 10,000 वर्ष पहले मिस्र और ईस्टर्न फर्टाइल क्रेसेंट के बीच आव्रजन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, कृषि और लेखन पद्धतियों का प्रसार हुआ।
- **ऐतिहासिक जुड़ाव:** यह जीनोम सबूत देता है कि पिरामिड काल से बहुत पहले ही लंबी दूरी के आनुवंशिक और सांस्कृतिक संबंध स्थापित हो चुके थे।

सी-फ्लड / C-FLOOD

संदर्भ:
केंद्रीय जल शक्ति मंत्री **श्री सी. आर. पाटिल** ने नई दिल्ली स्थित श्रम शक्ति भवन में भारत की उन्नत बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली **C-FLOOD** का उद्घाटन किया। यह अगली पीढ़ी की एकीकृत जलभराव पूर्वानुमान प्रणाली (Unified Inundation Forecasting System) है, जिसका उद्देश्य बाढ़ पूर्व चेतावनी को अधिक सटीक, प्रभावी और समयबद्ध बनाना है।

C-FLOOD: भारत का एकीकृत बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली:

परिचय:
- C-FLOOD एक Unified Inundation Forecasting System है जिसे C-DAC पुणे और केंद्रीय जल आयोग ने साझेदारी में विकसित किया है।
- यह प्रणाली वेब-आधारित प्लेटफ़ॉर्म है, जो गांव स्तर तक दो दिन पूर्व बाढ़ पूर्वानुमान प्रदान करती है – इनडंडेशन मैप्स और जल स्तर की भविष्यवाणी के माध्यम से।

प्रमुख उद्देश्य:
- राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत विकसित।
- भारत की बाढ़ प्रबंधन और आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं को सशक्त बनाना।

प्रमुख विशेषताएँ:
- राष्ट्रीय और क्षेत्रीय एजेंसियों की बाढ़ मॉडलिंग को एकीकृत कर यह आपदा प्रबंधन के लिए एकीकृत निर्णय-समर्थन उपकरण के रूप में कार्य करता है।
- 2-डी हाईड्रोडायनामिक मॉडलिंग का उपयोग करके बाढ़ की यथार्थवादी सिमुलेशन करता है।
- मौजूदा कवरेज:
  - महानदी बेसिन: सुपरकंप्यूटर आधारित सिमुलेशन, C-DAC पुणे में संचालित।
  - गोदावरी और तापी बेसिन: राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र द्वारा विकसित बाढ़ डेटा को C-FLOOD में एकीकृत किया गया है।
- आगे की योजना: अन्य नदी घाटियों को भी चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जाएगा।

महत्व: यह प्रणाली स्थानीय स्तर पर समय रहते चेतावनी प्रदान कर मानव जीवन, संपत्ति और कृषि नुकसान को न्यूनतम करने में मदद करती है।
- प्रौद्योगिकी और विज्ञान का समावेशी उपयोग करते हुए यह भारत को आपदा-लचीला राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर है।

SPREE 2025 योजना / SPREE 2025 plan

संदर्भ:
शिमला में आयोजित अपनी 196वीं बैठक में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने SPREE 2025 योजना (Scheme for Promotion of Registration of Employers and Employees) को मंज़ूरी दी। इस योजना का उद्देश्य नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को प्रोत्साहित कर, ईएसआई कवरेज के दायरे को देशभर में और व्यापक बनाना है।

नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना (SPREE) 2025: प्रमुख तथ्य

योजना का परिचय:
- यह योजना कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) द्वारा स्वीकृत की गई है।
- उद्देश्य: सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करना – विशेष रूप से अपंजीकृत नियोक्ताओं और कर्मचारियों (ठेकेदार एवं अस्थायी कार्यकर्ता) को पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करना।

प्रमुख विशेषताएँ:
- पंजीकरण की अवधि: **1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025** तक।
- डिजिटल माध्यम से पंजीकरण की सुविधा, बिना किसी निरीक्षण या पिछली देनदारियों की मांग के।
- पंजीकरण घोषित तिथि से प्रभावी होगा।
- न पिछली देनदारियों की मांग की जाएगी और न ही पुराने लाभ या अंशदान लागू होंगे।
- दंड से मुक्ति और प्रक्रिया की सरलता के ज़रिए स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहन।

महत्व:
- यह योजना अधिक से अधिक स्थापनाओं और श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम (ESI Act) के दायरे में लाकर उन्हें स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा लाभों की सुविधा देने का प्रयास है।
- यह समावेशी और सुगम सामाजिक सुरक्षा प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- योजना ESIC के सार्वभौमिक सुरक्षा और कल्याण-केंद्रित श्रम प्रणाली के लक्ष्य को साकार करने में सहायक है।

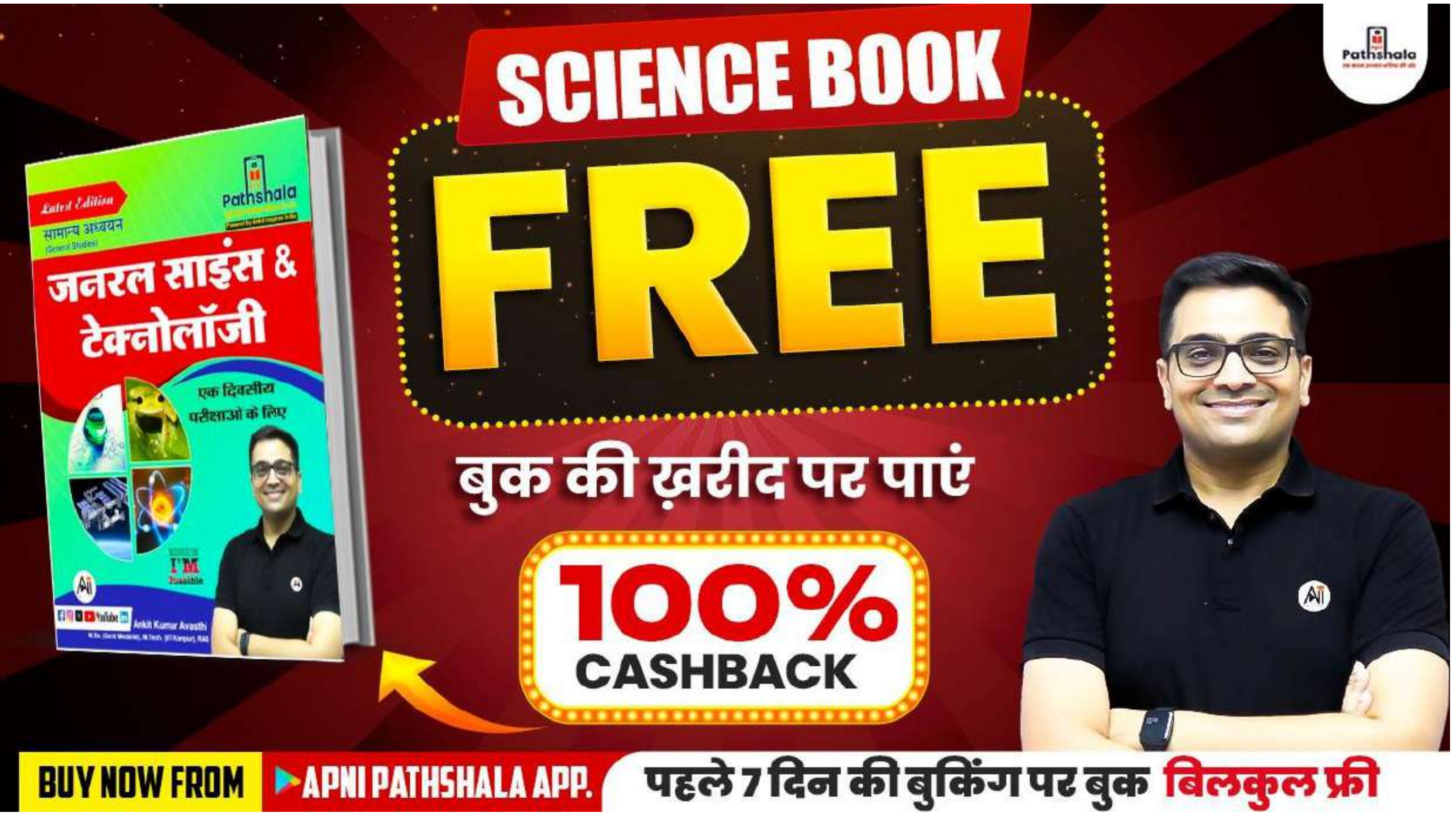

Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
Pathshala
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

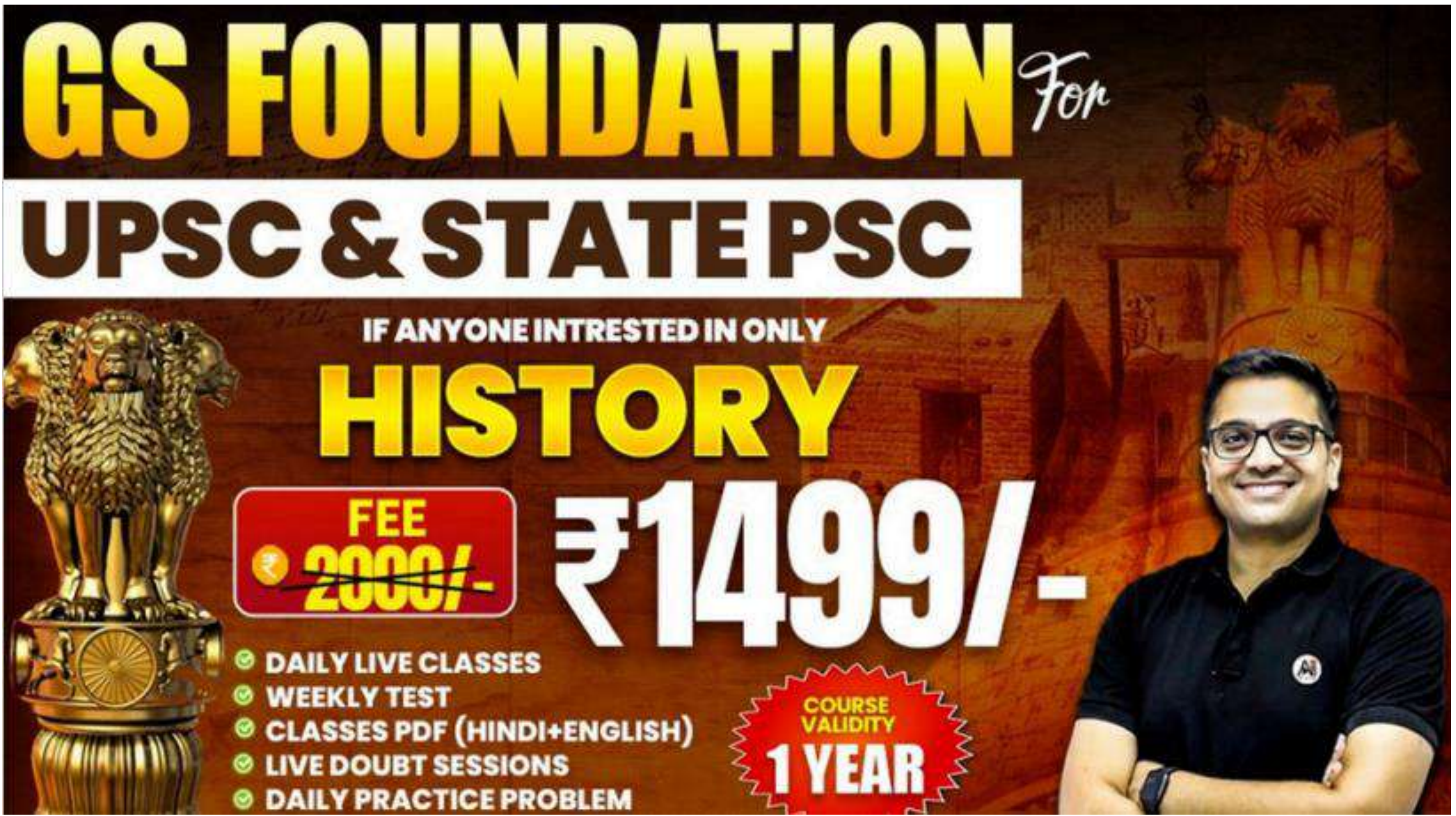
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा
विश्व भूगोल

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

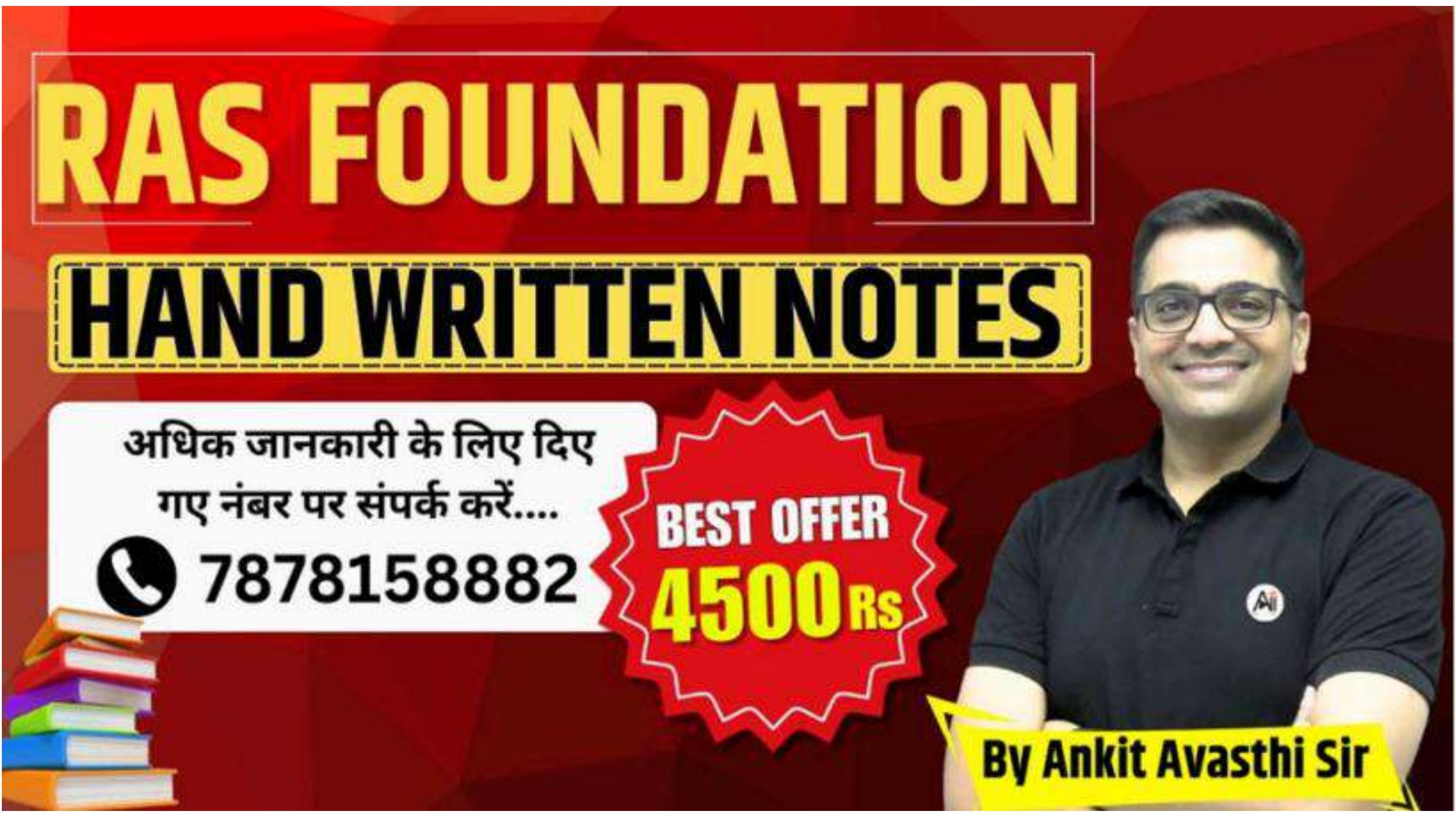
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

BBK
FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

HOW MAY I HELP YOU
CALL CENTRE
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: